तापमान
अधिकतम 27 .0 डिग्री
न्यूनतम 13 .0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, मंगलवार, 18 मार्च 2025

11 हरियाणा का अलग से वेतन आयोग गठित करने की मांग

11 पुलिस को अपराध व अपराधियों पर शिकंजा..

खबर संक्षेप

रंजिश में हमला कर चार को किया घायल

जींद। गांव जामनी में दो दिन पहले हुई कहासुनी में दर्जनभर युवकों ने चार लोगों के साथ मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया। पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव जामनी निवासी कृष्ण बैरागी ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि 14 मार्च को उनके कारीगर राजेंद्र की अशोक, देव, आशीष, सावन के साथ कहासुनी हो गई थी।

सरकारी बस चोरी का आरोपित गिरफ्तार

कैथल। खरकां के पैट्रोल पंप से बस चोरी करने के मामले की जांच चौकी रामथली पुलिस प्रभारी एएसआई मनीष कुमार की अगुवाई में एचसी विजेंद्र सिंह द्वारा करते हुए आरोपी गांव नागल निवासी गुरप्रीत सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कैथल डिपो के सीवन निवासी राजेंद्र सिंह की शिकायत अनुसार वह हरियाणा रोडवेज कैथल डिपो में चालक हैं।

युवक पर हमला घायल करने पर छह नामजद

जींद। जिले के कस्बे नरवाना में एक विवाद में आधा दर्जन युवकों ने एक युवक पर हमला कर उसे घायल कर दिया। नरवाना शहर थाना पुलिस ने तीन नामजद और तीन अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सोनीपत के गांव रोना निवासी शुभम, जो पार्किंग यार्ड पर काम करता है ने पुलिस को शिकायत दी है।

बीस मार्च को लगेगा रोजगार मेला :अरूण

कैथल। जिला रोजगार अधिकारी अरूण कुमार ने बताया कि रोजगार कार्यालय में 20 मार्च को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक जॉब फेयर का आयोजन किया जाना है। इसमें एसबीआई लाइफ इन्श्योरेन्स, एकांश मोटर्स, ऑटोमोबाइल्स, स्वाभिमान फाइनेंस, नव ज्योति बायो फर्टिलाइजर्स, आदि कंपनियां भाग ले रही हैं।

ससुराल आए व्यक्ति से मारपीट, दो नामजद

जींद। सफीदों में ससुराल में आए व्यक्ति के साथ दो युवकों द्वारा मारपीट करने का मामला सामने आया है। शहर थाना सफीदों पुलिस ने घायल की शिकायत पर दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। असंध के गांव रंगरुटी खेड़ा निवासी सतबीर ने शिकायत में बताया कि वह ससुराल सफीदों में आया हुआ था। यहां जब वह साल के साथ बात कर रहा था तो दरवेश और रॉबिन ने साथ घर में घुस आए और मारपीट की।

युवक की हत्या के तीन आरोपी दबोचे

कैथल। राजौंद क्षेत्र के गांव सौंगल में एक युवक हत्या करने के मामले की जांच थाना राजौंद एसएचओ एसआई राजकुमार की अगुवाई में एसआई पवन कुमार की टीम द्वारा करते हुए आरोपी शिव कालोनी कैथल निवासी अमन तथा गांव सौंगल निवासी मनोज उर्फ विनोद व अजय को गिरफ्तार कर लिया।

कार ने मारी टक्कर स्कूटी सवार घायल

जींद। स्थानीय सफीदों रोड पर एक कार की टक्कर से एक स्कूटी सवार युवक घायल हो गया। सिविल लाइन थाना पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। घायल नवयुवक जतिन के पिता दिलबाग ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका बेटा जतिन दोस्त के घर बैडमिंटन खेलने के लिए गया था।

फिरौती के लिए फायरिंग का आरोपी गिरफ्तार

कैथल। पूंडरी में फिरौती के लिए दुकान पर फायरिंग के मामले में उल्लेखनीय सफलता हासिल करते स्पेशल डिटेक्टिव युनिट ने आरोपी को काबू कर लिया। पुलिस अधीक्षक राजेश कालिया ने बताया कि 26 फरवरी को पूंडरी स्थित एक मिठाई दुकान के मालिक पर एक बाइक पर सवार अज्ञात युवकों द्वारा फिरौती की मांग के एवज में फायरिंग की गई थी।

प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वित्त मंत्री के रूप में विधानसभा में बजट पेश किया

बजटः सत्ता पक्ष ने सराहा तो विपक्ष ने बताया लोक लुभावन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद/कैथल

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को वित्त मंत्री के तौर पर पहला बजट पेश किया। इस बजट को सत्ता पक्ष ने जमकर सराहा तो विपक्ष ने इसे सरकार से नकारा है। सत्ता पक्ष ने कहा कि बजट में हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। वहीं विपक्ष ने कहा कि बजट में केवल घोषणाएं की गई हैं। इस बजट का धरातल से कुछ लेना देना नही है।

सत्ता पक्ष ने बजट को लोगों का जीवन स्तर और ऊंचा उठाने वाला बताया

बजट में हर वर्ग का रखा ध्यान

भाजपा वरिष्ठ नेता जसमेर रजाना ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बजट में हर वर्ग का ख्याल रखा है। किसानों को नकली बीज व कीटनाशक के चंगुल से बचाने के लिए इसी सत्र में भाजपा बिल लेकर आएगी। वहीं सहकारी समिति के रूप में पंजीकृत एफपीओ को सरकारी योजनाओं का लाभ देने के लिए नई बागवानी नीति लाई जाएगी।

महिलाओं का मान बढ़ाया

भाजपा जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा प्रस्तुत किया गए बजट में सभी वर्गों का ध्यान रखा है। बजट महिलाओं व किसानों के हित में है। महिलाओं के लिए चौपाल बनाने का प्रावधान है। धान का प्रबंधन करने वाले किसानों को अब 1200 रुपये प्रति एकड़ मिलेंगे। पहले 1000 हजार रुपये किसानों को मिलते थे।

युवाओं का रखा विशेष ध्यान

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष मुनीष कठवाड़ ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा प्रस्तुत बजट युवाओं के हक वाला है। मिशन हरियाणा के तहत 50 लाख युवाओं को नौकरी दी जाएगी। खिलाड़ियों की मनी डाइट भी 400 से 500 रुपये कर दी है। इंटरनेशनल खिलाड़ियों को 20 लाख तक बीमा योजना दी जाएगी।

सभी वर्गों का रखा ध्यान

नप की चेयरपर्सन सुरभि गर्ग ने कहा कि बजट लोगों के हित का है। 2025 व 26 के बजट में शहरों में मल्टी पार्किंग की व्यवस्था होगी। इससे शहरों में जाम नहीं लगेगा। गौशालाओं में रौड लगवाने का भी अच्छा बजट में निर्णय है। गौशालाओं में ई रिक्शा देने का भी बजट में प्रावधान किया गया है। शहर की 5 किलोमीटर सडकों को भी चकाचक करने का लक्ष्य रखा है।

ब्याज फ्री ऋण देने का प्रावधान

भाजपा नेता डा. पुष्पा तायल ने कहा कि जो महिला किसान डेयरी, कृषि, बागवानी, पशुपालन एवं मतस्य पालन के लिए ब्याज मुक्त एक लाख रुपये का ऋण दिया जाएगा। वहीं मोरनी के किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार विशेष कार्य योजना बनाएगी। 2024-25 के 25 हजार एकड़ भूमि में प्राकृतिक खेती के लक्ष्य के मुकाबले इस वर्ष एक लाख एकड़ भूमि का लक्ष्य रखा है। देशी गाय खरीदने के लिए दिए जाने वाले 25 हजार के अनुदान को बढा कर 30 हजार का प्रस्ताव किया है।

हर वर्ग को फायदा मिलेगा

भाजपा नेता भारत भूषण टांक ने सीएम नायब सिंह सैनी द्वारा पेश किए गए बजट की जम कर तारीफ करते हुए कहा कि जो बजट पेश किया गया है वो सभी वर्गों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। बजट में महिलाओं, युवाओं, किसानों, उद्यमियों के साथ-साथ आम लोगों के लिए बहुत कुछ है। बजट अबकी बार सभी वर्गों की राय लेकर बनाया गया है और ये सर्वांगीण विकास का बजट है।

सुविधाओं में वृद्धि का उल्लेख

भाजपा नेता शिवनारायण शर्मा ने कहा कि बजट में स्कूल, शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग का बजट बढ़ाया गया है। जो वायदे चुनाव में किए गए थे, उन वादों को पूरा किया गया है। वहीं यूरिया और डीएपी की बिक्री को मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल से जोड़ेने का प्रस्ताव है। फसलों को एक गेट पास जारी करने की पिछले खरीफ में शुरू की गई ईप्रथा को अब सभी फसलों पर लागू किया जाएगा।

लाडो लक्ष्मी का मिलेगा लाभ

भाजपा जिलाध्यक्ष तिजेंद्र हुल ने कहा कि बजट में सीएम नायब सिंह सेनी स्पष्ट किया है कि हरियाणा में महिलाओं की लाडो लक्ष्मी योजना शुरू हर हाल में शुरू होगी। बजट अभिभाषण में लाडो लक्ष्मी योजना का प्रावधान किया है। महिलाओं को प्रति माह 2100 रुपये की आर्थिक सहायता देने का संकल्प लिया था, जिसे पूरा करने के लिए लाडो लक्ष्मी योजना को सरकार द्वारा अंतिम रूप दिया जा रहा है।

सभी वर्गों को फायदा मिलेगा

कैथल के पूर्व विधायक लीला राम ने कहा कि सीएम द्वारा पेश किए गए बजट से सभी वर्गों को फायदा होने वाला है। सीएम सैनी जिस मेहनत व लग्न से प्रदेश को आगे ले जाने के लिए मेहनत कर रहे हैं, वह अनुकरणीय है। बजट में उनकी मेहनत की झलक स्पष्ट दिख रही है। जिस तरह से उन्होंने सड्डी वर्गों से बजट के लिए सुझाव लिए थे, उनका असर बजट में देखने को मिल रहा है। बजट में हर वर्ग का ध्यान रखा गया है।

बीज परीक्षण लैब स्थापित होगी

भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुखदीप बुआना ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में बीज परीक्षण लैब स्थापित की जाएगी। पलवल जिले में बागवानी अनुसंधान केंद्र स्थापित किया जाएगा। बागवानी मिशन प्रदेश के सभी 22 जिलों में लागू करने का प्रस्ताव है। वहीं गौसेवा आयोग के तहत एक हजार तक पशुओं वाली गौशालाओं को एक तथा 1000 से अधिक पशुओं वाली गौशालाओं को दो ई-रिक्शा करने का प्रस्ताव किया गया है।

जनता को कुछ नहीं मिला

कैथल के विधायक आदित्य सुरजेवाला ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा पेश किए गए बजट से जनता ठगा सा महसूस कर रही है। सरकार ने शिक्षा और स्वास्थ्य पर कम राशि खर्च करने का बजट में जिक्र किया है। प्रदेश के लोगों को जो बजट से उम्मीद थी वह लोगों की पूरी नहीं हुई है। सरकार को बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य पर विशेष जोर देना चाहिए था।

बजट से हर वर्ग निराश

कांग्रेस नेता दीपक पिंडारा ने कहा कि सरकार ने एक बार फिर से निराशाजनक बजट पेश किया है। बजट में योजनाओं को लेकर किसी तरह का कोई ठोस आंकडा पेश नही किया गया है। जिससे साफ जाहिर है कि बजट हवाओं का बजट है। बजट में किसी वर्ग को भी कोई भी राहत नही दी है। किसानों को आस थी कि उनके लिए कुछ अलग से बजट में राहत होगी लेकिन उन्हें निराशा ही मिली है।

भविष्य की भी चिंता नहीं

राज्यसभा सदस्य रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि बजट में किसी भी वर्ग का ध्यान नहीं रखा गया है। यह केवल झोला वाला बजट है। सरकार के वर्तमान की समस्याओं की चिंता नही है। सरकार को भविष्य की भी चिंता नही है। महिला, युवा, किसान व गांव का कोई ध्यान नही रखा गया है। किसानों की फसल हर बार मौसम की मार में आ जाती है। किसानों को लागत के अनुसार अपनी फसल के दाम नहीं मिल पाते है।

बेरोजगारी-महंगाई पर रोक नहीं

सफीदों के पूर्व कांग्रेस विधायक सुभाष गांगोली ने कहा कि बजट में बेरोजगारी और महंगाई पर रोक लगाने के लिए कोई संकेत नही दिया गया है। आज देश व प्रदेश में महंगाई और बेरोजगारी दिन प्रतिदिन बढ़ रही है लेकिन सरकार का इन मुद्दों पर कोई ध्यान नही है। बजट पूर्ण रूप से चुनावी मुद्दों पर बनाया गया है। बजट में किसी वर्ग के लिए कुछ भी नया नही है।

किसी का विकास नही होगा

कांग्रेस वरिष्ठ नेता एवं व्यापारी नेता महावीर कंप्यूटर ने कहा कि बजट राहत देने वाला नही बल्कि पूर्ण रूप से निराशाजनक है। अमीर के साथ और गरीब के विनाश को दर्शाता है और केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियां अब भी जारी है। इस बजट से हरियाणा प्रदेश में किसी का कोई विकास होने वाला नही है। बजट में केवल सरकार ने अपने आपको प्रशंसा का पात्र बताने का काम किया है।

बजट केवल कोरा जुमलेबाज

जजपा नेता विकास सिहाग ने कहा कि सरकार ने बजट में युवाओं को भी निराश किया है। युवाओं को उम्मीद थी कि रोजगार के लिए कुछ अहम घोषणाएं होंगी लेकिन ऐसा कुछ नही हुआ। वहीं गरीबों को कोई फायदा नहीं होने वाला है। बजट भविष्यवादी नहीं बल्कि पूरी तरह से अवसरवादी, जनविरोधी और गरीब विरोधी बजट है। बेरोजगारी के मुद्दे को हल करने में बजट कोई मदद नही करेगा।

पूंडरी : सरसों की सरकारी खरीद न होने से किसानों ने जताया रोष

- खरीद 15 मार्च से शुरू होनी थी, लेकिन अभी तक खरीद शुरू नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

पूंडरी। अनाज मंडी में पड़ी सरसो की एक ढेरी।

अनाज मंडी पूंडरी में सरसों की आवक शुरू हो चुकी है, लेकिन इसकी सरकारी खरीद न होने से किसानों में रोष है। अनाज मंडी में वेयरहाउस खरीद करेगी और यह खरीद 15 मार्च से शुरू होनी थी, लेकिन अभी तक खरीद शुरू न होने के कारण किसानों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने कहा सरकार वैसे तो खरीद के ड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन आज तक खरीद शुरू न होने से इनके दावे फुस नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को जल्द से जल्द खरीद शुरू करनी चाहिए ताकि किसानों को अपनी फसल का सही मूल्य मिल सके। वहीं वेयरहाउस के प्रबंधक राजेश कुमार ने बताया पहले सरसों की खरीद नैफड एजेंसी द्वारा की जाती थी, लेकिन इस बार नैशनल कं'यूमर कोऑपरेटिव फेडरेशन ऑफ इंडिया एजेंसी को सरसों की खरीद अलॉट हुई है। उन्होंने बताया कि एजेंसी का बारदाना अभी नहीं आया है और बारदाना आते ही खरीद को सुचारू रूप से शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि खरीद की तैयारी पूरी हो चुकी है और जल्द ही किसानों को अपनी फसल का सही मूल्य मिलेगा।

ड्रग विभाग ने करेला में क्लीनिक पर मारा छापा

- श्री श्याम क्लीनिक पर छापा मार कर 25 प्रकार की दवाइयां जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अलेवा

अलेवा। करेला गांव स्थित श्री श्याम क्लीनिक पर दवाईयों को कब्जे में लेती जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी गीता गोयल।

खाद्य एवं औषधिविभाग ने सूचना के आधार पर करेला गांव स्थित श्री श्याम क्लीनिक पर छापा मार कर 25 प्रकार की दवाईयां जब्त कर मामले को लेकर जांच कर शुरू कर दी है। जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी गीता गोयल ने बताया कि क्लीनिक संचालक से दवा के खरीद फरोख्त तथा प्रैक्टिस से संबंधित रिकार्ड मांगने पर क्लीनिक संचालक दवा तथा प्रैक्टिस से संबंधित किसी प्रकार का रिकार्ड प्रस्तुत नही कर पाया। जिस पर ड्रग विभाग ने दुकान को खाली करवा दवाइयों को अपने कब्जे में लेकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी गीता गोयल ने बताया कि विभाग को सूचना मिली थी कि करेला गांव स्थित श्री श्याम क्लीनिक के संचालक अमित बिना लाईसेंस के दवाइयों का कारोबार करता है। विभाग ने सूचना पर करेला गांव स्थित श्री श्याम क्लीनिक पर छापा मारकर क्लीनिक के संचालक अमित से दवाइयों के खरीद-फरोख्त तथा प्रैक्टिस से संबंधित दस्तावेज मागें तो क्लीनिक संचालक कि सी प्रकार का रिकार्ड प्रस्तुत नहीं कर पाया। जिस पर विभाग ने क्लीनिक को खाली करवा 25 प्रकार की दवाइयों को जब्त कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

अवहेलना सहन नहीं

जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त प्रधान सचिव सुधीर राजपाल तथा आयुक्त एफडीए हरियाणा यश गर्ग के स्पष्ट निर्देश है कि किसी भी सूरत में दवा कारोबार में कानून की अवहेलना सहन नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि विभाग की तरफ से स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि प्रदेश व जिले में गैर कानूनी तरीके से दवाओं की बिक्री सहन नहीं की जाएगी। क्योंकि इनका गैर कानूनी व्यवसाय मानवता के खिलाफ प्रयोग किया जा सकता है।

बजट खेड़ी मसानियां में अत्याधुनिक राज्यस्तरीय अग्निशमन प्रशिक्षण संस्थान होगा स्थापित

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए पांच लाइफ स्पोर्ट एंबुलेंस मिलेगी

औद्योगिक क्षेत्र बनने से युवाओं को उपलब्ध होंगे रोजगार: डिप्टी स्पीकर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि जींद को लगातार औद्योगिक क्षेत्र बनाने के लिए वो प्रयासरत थे। जिस पर मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा सोमवार को पेश किए गए बजट में मोहर लगा दी है। इसके अलावा जींद में औद्योगिक कुंज बॉटनीकल पार्क, ट्रामा सेंटर, स्मार्ट स्ट्रीट, स्मार्ट रोड, स्मार्ट बाजार, जींद में इंस्टीटयूट ऑफ टैक्नोलॉजी (आईआईटी),

शहर के अर्बन एरिया में स्मार्ट गलियां बनवाने, इंडस्ट्रीयल मॉडल टाउनशिप (आईएमटी) बनाए जाने पर भी सहमति हुई है। वहीं जुलाना में आईएमएटी भी बनेगा।

खेड़ी मसानियां में राज्यस्तरीय अग्निशमन प्रशिक्षण संस्थान होगा स्थापित जिले के खेड़ी मसानियां गांव को सबसे बड़ी सौगात मिली है। यहां पर अत्याधुनिक राज्यस्तरीय अग्निशमन प्रशिक्षण संस्थान स्थापित होगा। इसके लिए 29 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है। शहर में आयुष हर्बल पार्क को लेकर बनी सहमतिः शहर में बनने वाले आयुष हर्बल पार्क को लेकर लंबे समय से चर्चा चल रही थी लेकिन जमीन को लेकर निर्णय नहीं हो पा रहा था। अब यह पार्क जयंती देवी मंदिर के सामन गोशाला की जगह में बनना तय हुआ है। इसके लिए बजट सत्र में मुख्यमंत्री ने घोषणा की है। इसके अतिरिक्त बड़ी परियोजना में खेड़ी मसानियां में अत्याधुनिक राज्य स्तरीय अग्निशमन प्रशिक्षण संस्थान स्थापित करने के लिए 29 करोड़ रुपये की घोषणा की है। इसमें अग्निशमन के लिए युवाओं को कोर्स करवाया जाएगा।

जींद में आयुष पार्क बनना तय

हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि सोमवार को जो बजट पेश किया गया है, उसमें हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। महिलाओं के लिए लाडो लक्ष्मी योजना के तहत पांच करोड़ के बजट का प्रावधान किया गया है। इस बजट में युवाओं के लिए नए रोजगार, स्टार्टअप्स, एआई मिशन के तहत गुरुग्राम और पंचकूला को एआई हब बनाने की घोषणा की गई है। वहीं जींद में भी आयुष पार्क बनाने की घोषणा की गई है। हरियाणा के युवाओं को देश के बाहर बेहतर रोजगार दिलाने के लिए प्लान तरीके से काम किया जाएगा ताकि युवाओं को अवैध तरीके से बाहर नहीं जाना पड़े। सीएम सैनी ने हर जिले में नए गौ अभ्यारण्य का प्रस्ताव रखा। हरियाणा में पंजीकृत गौशालाओं में 51 शेड बनाने के लिए पांच करोड़ रुपये का अनुदान देने का एलान हुआ है। एक हजार पशुओं वाली गोशाला को एक ई-रिक्शा और इससे ज्यादा पशुओं वाली गोशाला को दो ई-रिक्शा देने के लिए पांच करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया है। इसके अलावा हर 10 किलोमीटर के दायरे में सस्कृंति मॉडल स्कूल खुलेगा।

डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर विभाग बनेगा

वहीं अब हरियाणा के स्कूलों में बच्चों को फ्रेंच भाषा भी पढ़ाई जाएगी। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि स्टार्टअप्स में निवेश को बढ़ाने के लिए सरकार निजी निवेशकों को दो हजार करोड़ रुपये का एक फड ऑफ फंड्स बनाने के लिए प्रोत्साहित करेगी। साथ ही युवा पीढ़ी को नशे से बचाने के लिए संकल्प प्राधिकरण (संकल्प सबस्टांस अब्यूज़ एंड नार्कोटिक्स नॉलेज) अवेयरनेस एंड लिब्रेशन प्रोग्राम अथॉरिटी का गठन किया जाएगा। इसके अलावा हरियाणा को भविष्य सक्षम बनाने के लिए डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर नाम से नया विभाग बनाया जाएगा। जिसमें हरियाणा के विकास को लेकर नीतियां बनेंगी। वहीं डेटा आधारित नीति निर्धारण व गवर्नेंस ऑटोमेशन से जनसेवा के लिए हरियाणा एआई मिशन की स्थापना की जाएगी। गुरुग्राम और पंचकूला में एक-एक एआई हब स्थापित किया जाएगा। हरियाणा ओवरसीज इंप्लॉयमेंट सेल और हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से युवाओं को अंतरराष्ट्रीय रोजगार दिलाया जाएगा।

गांव बधाना के लोगों को 40 साल बाद मिलेगा नहरी पानी

- गांव के लोग भूमिगत खारा पानी पीने को थे मजबूर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अलेवा

बधाना गांव के लोगों को आखिरकार 40 साल बाद पीने के पानी के नाम पर नहरी पानी मिलेगा। विभाग ने इसके लिए जलघर में नई मोटर लगाने के अलावा अन्य उपकरण स्थापित करने शुरू कर दिए हैं। गांव के लोगों कहना है कि नहरी पानी नही मिलने के कारण गांव के लोग भूमिगत खारा पानी पीने को मजबूर हो रहे थे। गांव बधाना निवासी रामकरण, विकास, संदीप, हवा सिंह तथा महिला कमलेश, रीना, सुदेश, बिमला आदि ने बताया कि सरकार द्वारा गांव में पीने के पानी की किल्लत को देखते हुए वर्ष 1985 में जलघर का निर्माण करवाया था, लेकिन विभाग के अधिकारियों की मायूसी के चलते गांव के लोगों को 40 साल बीतने के बावजूद भी पीने के पानी के नाम पर नहरी पानी नसीब नहीं हुआ था। गांव के लोग जलघर में लगे सबमर्सीबल से ही खारा पानी पी रहे थे। गांव के लोगों का कहना है कि यह पानी पीना तो दूर की बात कपड़े धोने तक लायक नही हैं। गांव के लोगों का कहना है कि शुरू से ही विभाग के अधिकारियों तथा स्थानीय विधायक को नहरी पानी देने के लिए सूचित किया जा रहा था लेकिन गांव की यह समस्या हल होने का नाम नहीं ले रही थी।

जल्द मिलेगा गांव को नहरी पानी : रोहित

जलापूर्ति विभाग के जेई रोहित ने बताया कि नहरी पानी के लिए लगभग पांच लाख रुपये का टैंडर पास हो चुका है। विभाग ने नहरी पानी के लिए जलघर में नई मोटर तथा अन्य उपकरण लगाने शुरू कर दिए हैं। गांव के लोगों को जल्द से जल्द पीने के पानी के नाम पर नहरी पानी मिलेगा।

हरिभूमि
रोहतक मंगलवार
18 मार्च 2025

सहेली

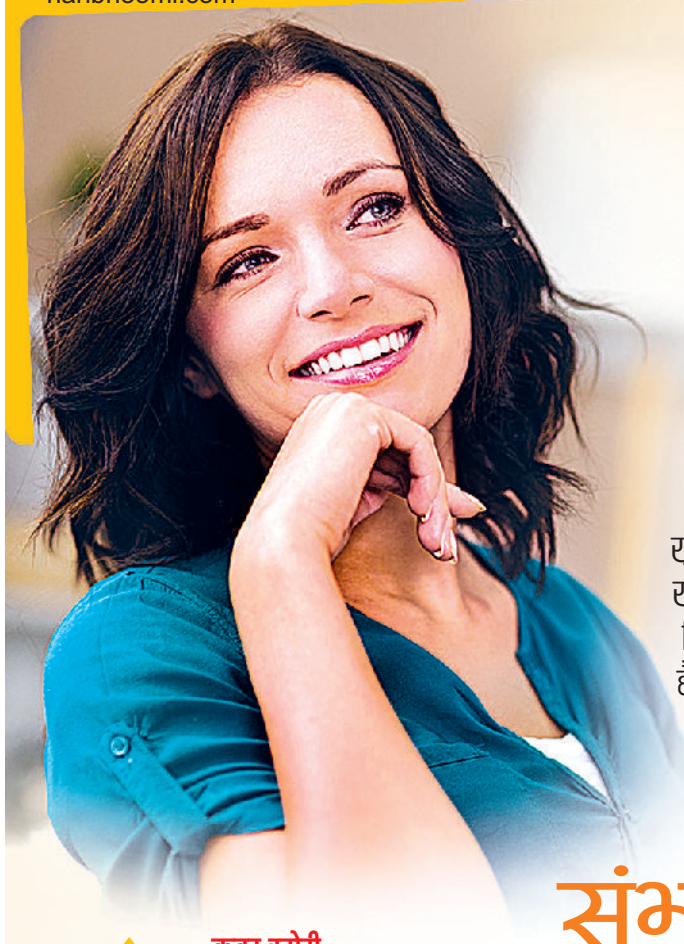

स्पेशलः इंटरनेशनल-डे ऑफ हैप्पीनेस, 20 मार्च

खुश रहना जीवन की सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। स्वस्थ जीवन के लिए खुशी बहुत जरूरी है। खुश इंसान शारीरिक-मानसिक रूप से स्वस्थ रहकर न सिर्फ अपना जीवन संवारता है, दूसरों की भी संभाल और देखभाल कर सकता है। आपसी केयरिंग-शेयरिंग इंसान को बहुत बड़ा संबल देती है। शायद इसीलिए इस साल इंटरनेशनल-डे ऑफ हैप्पीनेस की थीम है- शेयरिंग इज केयरिंग। यह बात आज के दौर में तब और ज्यादा मायने रखती है, जब समाज-परिवार में आपसी संवाद और अपनेपन के भाव कम होते जा रहे हैं।

संभाल-साझेदारी के भाव देते हैं खुशियां

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

खुश रहना खुद के प्रति भी एक जिम्मेदारी है। खुश रहकर ही खुशहाल परिवेश बनाया जा सकता है। खुशमिजाज अभिभावक ही नई पीढ़ी को खुशियों की विरासत दे सकते हैं। खुश रहने से सेहत अच्छी रहती है। स्वस्थ इंसान ही अपने से जुड़े लोगों की केयर कर सकता है। खुशियां अपने साथ हर तरह की सुखदायी सौगात लेकर आती हैं। यही वजह है कि थोड़ा ठहर कर मन को समझने की जरूरत होती है। भावनाओं की दिशा को आंकने की दरकार होती है। नाखुशी के कारण जानने की कोशिश आवश्यक है। इंटरनेशनल-डे ऑफ हैप्पीनेस ऐसी ही बातें याद दिलाती है।

जरूरी हैं संभाल-साझेदारी के भाव

साल 2025 में इंटरनेशनल-डे ऑफ हैप्पीनेस की थीम 'शेयरिंग इज केयरिंग' है। यानी संभाल-देखभाल और साझेदारी के इमोशंस से जुड़ी है। यह सब्जेक्ट मेंटल हेल्थ से लेकर रिश्तों और शारीरिक स्वास्थ्य से जुड़े पहलुओं को भी संबोधित करता है। साझेदारी और संभाल दोनों ही बातें व्यक्तिगत ही नहीं, पूरे समाज की खुशहाली से जुड़े भाव हैं। इतना ही नहीं, शेयरिंग और केयरिंग का भाव एक-दूजे से भी गहराई से जुड़ा है। मन जीवन से जुड़ी बातों और हालातों को साझा करने से संभाल देखभाल की राह निकलती है।

खुशियों की साझी बुनियाद

दिल की बात कहना, समझाइश देना, समय निकालना या कोई काम की चीज देकर सहयोग करना शेयरिंग है। इसी की बुनियाद पर केयरिंग सोच के इमोशन भी टिके हैं। अपने दिल के भाव साझा करना विश्वास और सम्मान से जुड़ा है। वहीं किसी को समझने-जानने के लिए समय निकालने का भाव केयरिंग है। यह खुशियां पाने की साझी बुनियाद है। शेयरिंग और केयरिंग से जुड़े इमोशंस बहुत पॉजिटिव होते हैं। भरोसे की नींव मजबूत करते हैं। दो इंसानों में ही नहीं, पूरे समाज में सहयोग की भावना बढ़ाते हैं। एक-दूसरे की परवाह करने की सोच को बल देते हुए हर परिस्थिति को सहज बनाए रखने वाले इमोशंस हैं।

समझना मुश्किल नहीं, इन बातों से हर इंसान को खुशी ही मिलती है। ऐसे हालातों में सभी के लिए सहजता से खुशियों को जीने की राह निकलती है।

केयरिंग कल्चर की जरूरत

मौजूदा दौर में सचमुच केयरिंग कल्चर को अपनाने की आवश्यकता है। किसी घर में बच्चे अकेले समय बिता रहे हैं तो कहीं बुजुर्गों को सेवा-सुश्रूषा नहीं मिल पा रही है। ऐसे में एक दूजे की केयर करने और साथ देने का भाव हर किसी को खुशी ही देगा। यों भी सुख-दुख साझा करने से ही खुशियां पाई जा सकती हैं। देखभाल की इस संस्कृति को विस्तार देने का पहला पड़ाव शेयरिंग ही है। आपसी संवाद से अपनेपन का भाव आता है। आपाधापी भरी जिंदगी में तो आस-पड़ोस में भी आपसी संवाद की कड़ी टूट गई है। परिवार के सदस्य भी एक-दूसरे से कम ही बतियाते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि इस अलगाव के साथ ही नाखुशी भी विस्तार पा रही है। अनहैप्पी लोगों के आंकड़े भी बढ़ रहे हैं। हर उम्र के लोग अकेलेपन और अवसाद के घेरे में हैं। इसीलिए मन की परेशानियां साझा करने के साथ ही केयरिंग कल्चर को बढ़ावा देना भी जरूरी है। पारस्परिक निर्भरता से बनने वाला सहयोगी परिवेश सभी की झोली में खुशियां भर देता है।

खुशियों का स्वागत

हाल के वर्षों में दुनिया के हर समाज में ही असंतोष, चिंता, उदासी, गुस्से और अपराधबोध के इमोशंस बढ़े हैं। लोग खुश रहने और दूसरों को खुश रखने वाले सहज व्यवहार को भूल रहे हैं, जबकि वैज्ञानिक अध्ययन भी कहते हैं कि दोस्तों और परिवार का साथ देने वाले लोगों की मेंटल और फिजिकल हेल्थ बेहतर रहती है। यह जुड़ाव जितना गहरा होगा, इंसान उतना ही अच्छा महसूस करता है। यानी शेयरिंग और केयरिंग दूसरों को खुशी देने का ही नहीं, खुद को खुश रखने का भी रास्ता है। उदार सोच अपने मन को भी तनाव से दूर रखती है। यह भाव कॉमन खुशियों को न्योता देने वाला है, क्योंकि लोगों की खुशी पूरे समाज की खुशहाली से जुड़ी है। इसीलिए हैप्पीनेस के स्वागत के लिए किसी दोस्त की सहायता करने और इमोशनल सपोर्ट देने का भाव रखें। जरूरतमंद इंसान की मदद करने के मोर्चे पर डटें। उदासी से जूझते किसी इंसान के साथी बनें। जितना संभव हो उचित सलाह देने का प्रयास करें। आम-सा लगने वाला यह मेल-जोल हर किसी को खुशी ही देता है।

अपनी मम्मी के साथ टीनएज गर्ल्स क्यों करती हैं मिसबिहेव

बिहेवियर
नीलम अरोड़ा

एक समय था सविता और उसकी टीनएज बेटी प्रियंका के बीच आए दिन तकरार होती थी। स्कूल की क्लास बंक करना, ट्यूशन की क्लास बंक करना, जिनके साथ सविता मना करती थी, उनके साथ इधर-उधर घूमना, कमरा बंद करके अपनी फ्रेंड्स के साथ घंटों बातचीत में लगे रहना, इन आदतों से सविता अकसर उसे डांटती रहती थी। बीच-बीच में सविता और उसकी बेटी के साथ रिश्ते काफी खराब हो गए थे। आज सविता की बेटी पचीस साल की एक समझदार, सुलझी हुई और अपने करियर के प्रति बहुत सीरियस युवती है। आज सविता को समझ में आ चुका है कि अकसर बेटियां और मांएं क्यों एक लंबा समय तनाव के बीच गुजारती हैं।

मां-बेटी के बीच क्यों रहता है तनावः टीनएज में जहां बेटियां हार्मोनल परिवर्तन का सामना कर रही होती हैं, वहीं मांएं भी बेटियों के मूड स्विंग, चिड़चिड़ापन और बात-बात पर कटाक्ष और मिसबिहेव से खीजती हैं। मांएं अपनी बेटियों पर कंट्रोल करना चाहती हैं, लेकिन बेटियां उनको सुनने को तैयार नहीं होतीं। बेटी की अनमैच्योरिटी और उसमें समझ की कमी मांओं को और ज्यादा तनावग्रस्त करती है। एक-दूसरे के प्रति शिकवा-शिकायतें, गलतफहमियां रहती हैं। नतीजा यह होता है कि दोनों के बीच लंबे समय तक बातचीत बंद हो जाती है। कई बार तो किशोर बेटी मां से बहुत दूर होती जाती है। सविता की तरह बहुत-सी मांएं अपनी टीनएजर बेटी के मिसबिहेव को सहती हैं, तनाव में रहती हैं।

क्या करें टीनएजर के पैरेंट्सः टीनएज में लड़कियों के मूड या व्यवहार में अचानक परिवर्तन दिखता है। ऐसे में मांओं को समझदारी के साथ गहराई से सोचना चाहिए कि बेटी छोटी-छोटी बातों पर क्यों गुस्सा हो जाती है? दरअसल, टीनएज में जब बच्चे अपने अलग व्यक्तित्व और पहचान को प्रकट करना चाहते हैं तो पैरेंट्स की नसीहतें उन्हें अपनी आजादी में खलल लगती है, जिसकी वजह से मां-बेटी के रिश्तों में कड़वाहट आ जाती है। ऐसे में मां को ही समझदारी से काम लेना चाहिए। अगर टीनएज बेटी के ड्रेसिंग या अन्य एक्टीविटीज के बारे में मां को कोई परेशानी या आपत्ति है तो बेटी को अपने बारे में कुछ डिसीजन लेने की छूट दें, लेकिन कुछ सीमाओं के साथ।

पीयर प्रेशर का सामनाः आजकल के टीनएज बच्चे पीयर प्रेशर, समाज में अपनी स्थिति, एजुकेशन, करियर और अन्य दूसरी चीजों के कारण तनाव और दबाव पहले की तुलना में ज्यादा महसूस करते हैं। इस तरह की बातें टीनएज लड़कियों को चिड़चिड़ी और तनावग्रस्त बनाती हैं। इन सबका गुस्सा अकसर टीनएज बेटियां अपने मम्मी-पापा पर उतारती हैं, वे अपनी मम्मी से चिढ़ने लगती हैं। पैरेंट्स के रूप में मांओं को उन पर पड़ने वाले दबावों के प्रति सजग रहते हुए उनकी मानसिक स्थिति को समझना चाहिए। क्योंकि कभी-कभी दुख और अवसाद के क्षणों में हमें भी ऐसे महसूस होता है कि कोई तो हमारी सुने, तो फिर अपनी बेटी की शिकायत हमें क्यों परेशान करने वाली लगती है? चीजों को देखने का नजरिया उसका भले ही मैच्योर न हो, लेकिन उसकी भावनाएं तो मायने रखती हैं। 'तुम इतना परेशान क्यों हो' कहने की बजाय 'हां, मैं समझ सकती हूं, तुम परेशान हो, मैं तुम्हारी क्या हेल्प कर सकती हूं?' कहकर आप उसका मन हल्का कर सकती हैं।

बेटी के साथ रखें अच्छा कम्युनिकेशनः बेटी के साथ कम्युनिकेशन का रास्ता हमेशा खुला रखें। टीनएज बेटी के साथ ज्यादा सख्त व्यवहार स्थिति को और नाजुक बना सकता है। इस बात को मांएं याद रखें, उनकी बेटी तो बड़ी हो रही है लेकिन वे स्वयं बड़ी हैं।

इंटीरियर
रेखा

वैसे तो घर में फ्लोरिंग कराने के कई ऑप्शंस अवेलेबल हैं। लेकिन अगर आप कम बजट में अट्रैक्टिव लुक चाहती हैं तो वुडेन फ्लोरिंग अच्छा ऑप्शन हो सकता है।

वुडेन फ्लोरिंग घर को दे अट्रैक्टिव लुक

आज के समय में बहुत लोग अपने घरों में महंगे मार्बल्स की जगह लकड़ी से बनी फर्श बनवाना पसंद करते हैं। इसे वुडेन फ्लोरिंग कहा जाता है। इससे घर का इंटीरियर लुक ही बदल जाता है। यही वजह है कि इन दिनों वुडेन फ्लोरिंग काफी ज्यादा चलन में है।

ट्रेंड में है वुडेन फ्लोरिंगः इन दिनों वुडेन फ्लोरिंग काफी ज्यादा ट्रेंड में है। ज्यादातर लोग इसे पसंद कर रहे हैं। खास बात यह है कि वुडेन फ्लोरिंग अपनी इंसुलेटिंग क्षमता के कारण लंबे समय तक खराब नहीं होती। इसे केवल 3-4 घंटों में ही रेडी किया या जा सकता है, क्योंकि तख्तों को एक-दूसरे के साथ एक विशेष बॉन्डिंग के साथ जोड़ते हुए इंटरलॉक किया जाता है। इसे लगाना आसान है। इसे लगाने पर लॉक करने के लिए 'टंग एंड ग्रूव' तकनीक या किसी चिपकाने वाले पदार्थ अथवा कीलों का प्रयोग करते हैं। बाजार में डिफरेंट पैटर्न और लुक में आपको वुडेन फ्लोरिंग के ऑप्शंस मिल जाएंगे।

डिजाइनर नक्काशीः इसे कवर्ड पैटर्न भी कहते हैं। इस पैटर्न में लकड़ी पर डिजाइनर नक्काशी की जाती है। यह एक बेहद खूबसूरत कला है। डिजाइनर नक्काशी वाली वुडेन फ्लोरिंग की कलर और अपीयरेंस, सूरज की रोशनी में और चमक उठता है।

बॉक्स डिजाइंड पैटर्नः इसे परक्यूट पैटर्न भी कहते हैं। फ्लोरिंग का यह पैटर्न आपके रूम को बिल्कुल नया और वार्म लुक देता है। बॉक्स डिजाइंड का यह पैटर्न चेस बोर्ड की तरह लाइट और ब्राइट कलर कॉम्बिनेशन में आता है, जिससे रूम को बहुत डिफरेंट और अट्रैक्टिव लुक मिलता है।

हीरिंगबोन पैटर्नः यह पैटर्न जिग-जैग डिजाइन में मिलता है। यह पैटर्न घर को रैंडम लुक देता है। वुडेन का क्रीमिश कलर मैचिंग दीवारों के साथ खूब फबता है।

बॉर्डर पैटर्नः वुडेन फ्लोरिंग का यह पैटर्न आपके फ्लोर के बॉर्डर को आउटलाइन करता है। इससे कमरे को फॉर्मल लुक मिलता है। अगर आप बिना डिजाइन की फ्लोरिंग चाहती हैं, तो इस वुडेन पैटर्न को चूज कर सकती हैं।

जब संभव न हो रियल वुड फ्लोरिंगः अगर आपको लगता है कि रियल वुडेन फ्लोरिंग आपके बजट में नहीं है, तो इस बात को लेकर अफसोस करने की जरूरत नहीं है कि आप अपने घर को खूबसूरत लुक नहीं दे पाएंगी। आधुनिक तकनीक की वजह से आज बाजार में ऐसी फ्लोरिंग उपलब्ध हैं, जो वुडेन न होने के बावजूद उस जैसी ही लगती हैं। इसे लगाकर आप कम खर्च में हार्डवुड जैसा एलिगेंट लुक डेकोर में ला सकती हैं। ये डिजाइन विनायल प्लैंक फ्लोरिंग यानी पॉली विनायल क्लोराइड (पीवीसी) से बनी होती है। यह एक बहुत ऊंची क्वालिटी का प्लास्टिक होता है, जिसके पीछे चिपकाने वाला पदार्थ लगाकर फ्लोर पर चिपका दिया जाता है। देखने में बिल्कुल हार्डवुड जैसी लगने वाली यह वुडेन फ्लोरिंग, वाटरप्रूफ भी होती है और इस पर दीमक भी नहीं लगती है।

• वुडेन फ्लोरिंग की ऐसे करें केयर

वुडेन फ्लोरिंग पर जमी धूल-मिट्टी को साफ करने के लिए सूखे कपड़े से ही पोंछें। हर 5-6 साल के अंतराल पर फर्श को पॉलिश जरूर कराएं। अगर कमरे की फर्श पर धूप आती है, तो वहां परदे का इस्तेमाल करें, क्योंकि धूप से लकड़ी का रंग फीका पड़ सकता है। फर्श पर पानी इकट्ठा न रहने दें, क्योंकि इससे लकड़ी खराब हो सकती है।

हेयर केयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

बालों की समस्याएं दूर करने में कारगर है नीबू

बढ़ते पॉल्यूशन और केमिकल बेस्ड प्रोडक्ट्स यूज करने की वजह से बहुत सी महिलाएं कम उम्र में ही बाल सफेद होने की समस्या का सामना करने लगती हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए यूज किए जाने वाले कई हेयर केयर प्रोडक्ट्स की वजह से बालों में अन्य प्रॉब्लम्स जैसे-डेंड्रफ, रूखे-कमजोर बाल, बालों का झड़ना, शुरू हो सकती हैं। इन सभी प्रॉब्लम्स से बचने के लिए आप नीबू का अलग-अलग तरह से यूज कर सकती हैं।

नीबू का रस-कैस्टर ऑयलः बाउल में एक चम्मच कैस्टर ऑयल (अरंडी का तेल) में तीन से चार बूंदें नीबू का रस मिलाकर उसे हल्का गुनगुना कर लें। इस मिश्रण से स्कैल्प पर अच्छे से मसाज करें फिर इसे आधे घंटे तक छोड़ दें। इसके बाद माइल्ड शैंपू से धो लें। इस मिश्रण को हफ्ते में दो-तीन बार लगाने से बेहतर परिणाम मिलेगा।

नीबू रस-नारियल तेलः किसी बाउल में एक बड़ा चम्मच नीबू का रस लें, उसमें एक बड़ा चम्मच नारियल का तेल मिलाएं। इस मिश्रण को स्कैल्प में अच्छे से लगाएं। फिर हल्के हाथों से मसाज करें। फिर आधे घंटे बाद बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें। जरूरत पड़ने पर कंडीशनर लगाएं। आप हफ्ते में सिर्फ एक बार ही इसे अप्लाई करें। इससे असमय बाल सफेद होना रुकेगा।

नीबू रस-मेथी हेयर पैकः अगर आप डेंड्रफ की समस्या से जूझ रही हैं तो नीबू के रस में मेथी दानों का पेस्ट बनाकर हेयर पैक बना लें। इस हेयर पैक को स्कैल्प पर लगा कर कुछ मिनटों के लिए छोड़ दें। बाद में ताजे पानी से धो डालें। इससे बालों को पोषण मिलेगा और डेंड्रफ से भी छुटकारा मिलेगा।

नीबू का शैंपूः नीबू का शैंपू बनाने के लिए मेहंदी पावडर में एक अंडा मिलाएं। उसमें एक कप गर्म पानी, आधा नीबू का रस मिलाएं। जब गाढ़ा पेस्ट बन जाए तो अपनी हथेली में इस शैंपू की कुछ बूंदें लेकर गीले बालों पर धीरे से मालिश करें। जब झाग बन जाए तो साफ पानी से धो डालें।

एवोकाडो-नीबू शैंपूः इसे बनाने के लिए एक एवोकाडो, 4 कप कैमोमाइल चाय, 1/4 कप ताजा नीबू का रस लें। एवोकाडो का गूदा, कैमोमाइल चाय, नीबू का रस अच्छी तरह ब्लेंड कर लें। इस मिश्रण को गीले बालों में लगाकर हल्के हाथों से मालिश करें। 15 मिनट तक लगा रहने दें। बाद में ठंडे पानी से अच्छी तरह धो लें।

डाइट एडवाइस
अंजू जैन

अच्छी सेहत बहुत हद तक पौष्टिक खान-पान की आदत और सही जीवनशैली पर निर्भर करती है। अगर हम खान-पान की सही आदतें और बेसिक रूल्स अपना लें, तो हेल्दी रह सकती है। कुछ यूजफुल डाइट रूल्स के बारे में जानिए।

फॉलो करें डाइट रूल्स आप रहेंगी हेल्दी

हम सभी भूख लगने पर स्वादिष्ट भोजन करना चाहते हैं। इससे पेट भरता है, मन को संतुष्टि मिलती है। लेकिन भोजन केवल स्वाद के लिए नहीं शारीरिक-मानसिक सेहत को ध्यान में रखकर करना चाहिए। इसके लिए भोजन करने के कुछ नियमों का पालन करना जरूरी है।

वैरायटी शामिल करें: न्यूट्रिशन एक्सपर्ट्स का मानना है कि भोजन में रंग-बिरंगी सब्जियां, हेल्दी ऑयल, मेवे, दूध, फल आदि शामिल करने चाहिए। जापान में डाइट हैबिट पर किए गए शोध के नतीजे बताते हैं कि भोजन में वैरायटीज शामिल करने से आपको तरह-तरह के विटामिन और न्यूट्रिएंट्स मिलते हैं। आपको अपनी डेली डाइट में मौसमी सब्जियों और फलों को जरूर शामिल करना चाहिए। अगर आप नॉनवेज खाती हैं तो इसे सीमित मात्रा में ही खाएं। वेज फूड्स को प्रेफरेंस दें।

ओवर ईटिंग से बचें: अच्छी हेल्थ के लिए ओवर ईटिंग से बचना जरूरी है। जो भी खाएं, भूख से 10-15 फीसदी कम मात्रा में खाएं। स्वाद के कारण या दूसरों के दबाव में अगर आपने दिन में एक टाइम अधिक भोजन कर लिया है तो अगला भोजन हल्का लें। कहने का अर्थ है कि अगर आपने किसी पार्टी में लंच अधिक कर लिया है या मीठा और ऑयली फूड अधिक खा लिया है तो डिनर में कम भोजन लें। अगर आप केवल सलाद खाएं तो यह सबसे बेहतर रहेगा। अगर आपने डिनर में हैवी खाना खाया है तो अगली सुबह जूस या सलाद लेना सही रहेगा।

रुचि लेकर करें भोजनः कई लोग भोजन करते वक्त फोन पर बातें करते हैं, व्हाट्सएप या फेसबुक चलाते हैं, न्यूज पेपर, मैगजीन पढ़ते हैं या फिर टीवी देखते हैं। कुछ लोग बहुत हड़बड़ी में भोजन करते हैं और इसे एक काम समझ कर निपटा देते हैं। इसी प्रकार कुछ लोग भोजन को सिर्फ पेट भरने का जरिया मानकर कुछ भी खा या पी लेते हैं या फिर बाजार से मंगवा कर जंक फूड खा लेते हैं। ऐसी सभी आदतें सेहत के लिए सही नहीं होती हैं। भोजन को रुचि के साथ पकाना और खाना चाहिए। तरह-तरह के स्वाद वाला पौष्टिक भोजन करना स्वास्थ्यवर्धक होता है। भोजन बनाने में अच्छी क्वालिटी वाली ताजी सब्जियां, मसाले, आटा, चावल आदि का इस्तेमाल करें। भोजन रुचिकर होने के साथ हाइजीनिक भी होना चाहिए। इसी प्रकार भोजन करते वक्त हर कौर का आनंद लें, चबाकर, पूरा स्वाद लेते हुए धैर्यपूर्वक भोजन करें ताकि उसका सही ढंग से पाचन हो और भोजन तन को लगे।

स्वाद को न दें अधिक महत्वः तेज मसालों और ज्यादा तेल में फ्राई किया हुआ चटपटा भोजन देखने और खाने में भले ही स्वादिष्ट और सुंदर लगता हो लेकिन यह सेहत के लिए काफी नुकसानदायक होता है। हर रोज रेस्तरां में जाकर या डिब्बाबंद भोजन खाने की आदत न डालें बल्कि हल्का और आसानी से डाइजेस्ट होने वाला भोजन करें। दिखने में आकर्षक भोजन की बजाए सेहत के लिए फायदेमंद भोजन को इंपॉर्टेंस दें।

स्प्राउटेड-फर्मेंटेड फूड लेंः दही, ढोकला, इडली जैसे फर्मेंटेड फूड पेट की सेहत और पाचन के लिए फायदेमंद होते हैं। इनमें पोषक तत्व भी होते हैं। इसी प्रकार अंकुरित अनाज फाइबर, विटामिन और मिनरल्स के अच्छे सोर्स होते हैं। इनका नियमित सेवन बेहद जरूरी है।

(डायटिशियन संगीता मिश्रा से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

वीडियो बनाने के नाम पर युवक के साथ मारपीट

जींद। गांव पिंडारा में एक होटल पर आधा दर्जन युवकों ने एक युवक के साथ वीडियो बनाने के नाम पर मारपीट की है। सिविल लाइन थाना पुलिस ने एक युवक को नामजद कर छह अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोर्ट में कार्यरत क्लर्क नरेश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपने दोस्त प्रिय पूनिया के होटल पर उसके पास गया था।

महिला से अश्लील हरकत करने पर एक नामजद

जींद। सदर थाना सफीदों इलाका गांव में महिला के साथ अश्लील हरकत करने तथा विरोध करने पर मारपीट करने का मामला सामने आया है। सदर थाना सफीदों पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर एक व्यक्ति के खिलाफ अश्लील हरकत करने तथा मारपीट करने का मामला दर्ज किया है। सदर थाना सफीदों इलाका गांव की महिला ने पुलिस को शिकायत दी है।

जीवन में सच के रास्ते पर चलेः साध्वी तिलक

जींद। पुरानी मंडी स्थित तेरापंथ भवन में डा. अनिल जैन, डा. सुरेश जैन सहित डॉक्टरों की टीम ने पहुंच कर साध्वी तिलक श्री ठाणे.3 के दर्शनों को लाभ लिया। साध्वी ने कहा कि डॉक्टर भी भगवान का दूसरा रूप होते है। डॉक्टर जिंदगी देने का काम करते है। जीवन में हमेशा सच के रास्ते पर चलते हुए हर किसी के भले की सोच के साथ कार्य करना चाहिए। जन कल्याण से बड़ा कोई कार्य नहीं होता है। जैसा हम बोते है वैसा ही काटेंगे।

1008 कुंडीय महायज्ञ को लेकर दिया निमंत्रण

जींद। कुरूक्षेत्र में 18 मार्च से शुरू हो रहे 1008 कुंडीय शिव शक्ति महायज्ञ को लेकर अनाज मंडी में महायज्ञ समिति के प्रवक्ता जेपी कौशिक की अगुवाई में दुकान व दुकान पर जाकर निमंत्रण दिया गया। कौशिक ने बताया कि धर्म नगरी कुरूक्षेत्र के केशव पार्क में यज्ञ सम्राट हरिओम महाराज के सान्निध्य में 1008 कुंडीय महायज्ञ 18 मार्च से प्रारंभ होगा। ये महायज्ञ 27 मार्च तक चलेगा।

फोरम आज बिजली संबंधी समस्याएं सुनेगी

सफीदों। सफीदों बिजली विभाग के एक्सईएन हेमंत कुमार ने बताया कि दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा डिविजनल कार्यालय में शिकायत निवारण फोरम का गठन किया है। फोरम में 50 हजार रुपये से कम के बिजली बिलों, बिजली लाइनों व नए कनेक्शनों संबंधी शिकायतों को सुना जाएगा। उन्होंने बताया कि फोरम आगामी 18 मार्च को सुबह 11 बजे डिवीजन सफीदों के कार्यालय में उपभोक्ताओं की शिकायतें सुनकर निपटारा करेगी।

मैढ सुनार सभा 23 को लगाएगी रक्तदान शिविर

जींद। आगामी 23 मार्च को शहीदे आजम भगत सिंह के बलिदान दिवस पर शहीदों की याद में मैढ सुनार सभा जींद द्वारा रक्तदान शिवर का आयोजन किया जाएगा। महासचिव राममेहर वर्मा ने बताया कि रक्तदान शिवर का उदघाटन हरियाणा विधान सभा के उपाध्यक्ष डा. कृष्णलाल मिड्ढा करेंगे।

आ रही समस्याओं को लेकर सौंपा मांगपत्र

जींद। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय इकाई द्वारा विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को आ रही फॉर्म भरने में समस्या के नियमित विद्यार्थी परिषद ने कुलपति को ज्ञापन सौंपा। विश्वविद्यालय इकाई अध्यक्ष सचिन ने विद्यार्थियों की समस्याओं से कुलपति को अवगत कराते हुए कहा कि विद्यार्थियों को बिना लेट फीस रिअपीयर फार्म भरने की अंतिम तारीख 17 मार्च है।

हर महीने बिजली बिल देने की मांग

जींद । अखिल भारतीय कालीरामण खाप के पूर्व राष्ट्रीय प्रधान महा सिंह कालीरामण, मेहर सिंह गोयत एडवोकेट और बलराज सड्ढु ने हरियाणा प्रदेश के प्रत्येक नागरिक से जुड़ा हुआ मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि बिजली निगमों द्वारा बिजली उपभोक्ताओं से दो महीने का बिल लिया जाता है, जोकि गलत है।

नई बिल्डिंग में एक्सरे मशीन तीन माह से खराब, टीबी वार्ड मे रखी मशीन भी खराब

नागरिक अस्पताल में एक्सरे न होने से बढ़ी परेशानी,ओपीडी 2325 तक पहुंची

फिलहाल लोगों को बिना एक्सरे के ही परेशानी झेलनी पड़ेगी

हरिभूमि न्यूज. जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में मौजूद दोनों एक्सरे मशीनें खराब होने के चलते सोमवार को उपचार के लिए आए लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सबसे ज्यादा परेशानी उन मरीजों को हई, जिन्होंने मेडिकल के लिए एक्सरे करवाना था। चिकित्सकों द्वारा पहले तो एक-दूसरे चिकित्सक के पास मरीजों व जरूरतमंदों को भेजा गया। जब मामला डिप्टी एमएस के संज्ञान में लाया गया तो बाहर से एक्सरे करवाने के लिए कहा गया ताकि मेडिकल के लिए आए लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो। फिलहाल अस्पताल में एक्सरे मशीन की खराब कैसेट के लिए टेंडर लगाया गया है और एक कंपनी ने बिड दी है। जिसे कागजी कार्रवाई कर ओपन किया जाएगा। फिलहाल लोगों को नागरिक अस्पताल में बिना एक्सरे के ही परेशानी झेलनी पड़ेगी। पिछले तीन माह से खराब है एक्सरे मशीनः नागरिक अस्पताल की नई बिल्डिंग में एक्सरे मशीन तीन माह पहले खराब हो गई थी। जिसके चलते सारा बोझ टीबी वार्ड में रखी एक्सरे मशीन पर आ गया था। अब यह मशीन भी जवाब दे गई है। मशीन खराब होने की वजह से काम ठप हो गए हैं। अब मरीजों को एक्सरे करवाने के लिए प्राईवेट लैबों का सहारा लेना पड़ रहा है। जहां 200 से 300 रुपये प्रति एक्सरे खर्च करने पड़ रहे हैं। अस्पताल में प्रतिदिन औसतन 150 मरीजों के एक्सरे किए जाते थे। लगातार काम करने की वजह से एक्सरे मशीन भी गर्म हो जाती है, जो पहले भी कई बार खराबी का कारण बन चुका है। मशीन खराब होने की वजह से अब मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कुल 2325 हुई ओपीडी, स्थायी समाधान की उठी मांगःनागरिक अस्पताल में सोमवार को भारी संख्या में मरीजों की भीड़ उमड़ी। दिनभर में कुल 2325 की ओपीडी हुई। ऐसे में स्वतः अंदाजा लगाया जा सकता है कि मरीजों व उनके तिमारदारों को कितनी परेशानी उठानी पड़ी। नागरिक अस्पताल आए सुमित, कुलदीप, विजेंद्र ने कहा कि पिछले काफी समय से मशीन खराब है। इस स्थिति में लोगों को मजबूरी में निजी अस्पतालों व दूसरी लैब में टैस्ट करने पर मजबूर होना होता है। इस व्यवस्था में इनको जहां बाहर आने आने में असुविधा रहती है। वही दूसरी ओर जेब भी अधिक ढिल्ली करनी होती है। इमरजेंसी में आने वाले मरीजों का भी यहीं पर एक्सरे होता है। ऐसे में परेशानी कही अधिक अधिक रहती है।

लोगों को दिखाया बाहर की लैबों का रास्ता, भटके लोग

जींद। टीबी वार्ड में एक्सरे के लिए पूछताछ करने आए लोग। *फोटो :हरिभूमि*

जींद। नागरिक अस्पताल में ओपीडी पर्ची के लिए उमड़ी भीड़। *फोटो :हरिभूमि*

निजी लैबों का किया रूख

नागरिक अस्पताल में सबसे ज्यादा परेशानी इमरजेंसी में आने वाले मरीजों को करना पड़ रहा है। जिन्हें एक्सरे करवाने के लिए निजी लैबों का सहारा लेना पड़ रहा है। ऐसे में समय और पैसा दोनों बर्बाद हो रहे हैं। गांवों से आने वाले मरीजों को हड्डी रोग विशेषज्ञ एक्सरे के लिए बोल दे तो उन्हें भी दिक्कत आई। मेडिकल के लिए आए उम्मीदवारों को भी परेशानी हुई। ऐसे में मशीन खराब होने से अब अस्पताल की व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

जल्द ओपन की जाएगी टेंडर की बिड

नागरिक अस्पताल के डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने बताया कि उच्च अधिकारियों के दिशा-निर्देशानुसान खराब एक्सरे मशीन की कैसेट को लेकर टेंडर लगाया गया है। जिसका खर्चा पांच लाख रुपये तक है। टेंडर के लिए बिड लगी है। जिसे जल्द ही ओपन किया जाएगा। उम्मीद है कि आगामी एक या दो दिन में मशीन ठीक हो जाएगी और लोगों को किसी तरह की कोई परेशानी नही होगी।

जींद। मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपते सकसं पदाधिकारी। *फोटो :हरिभूमि*

हरियाणा का अलग से वेतन आयोग गठित करने की मांग

- सकसं ने जिला मुख्यालय पर चलाया बजट सत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा सरकार के विधानसभा सत्र के समानांतर कर्मचारी जन असेंबली जिला मुख्यालय पर उपायुक्त कार्यालय के निकट जिला प्रधान संजीव ढांडा की अध्यक्षता में सर्व कर्मचारी संघ द्वारा आयोजित की गई। मंच का संचालन राजेश कालीरामणा ने किया। कर्मचारी जन असेंबली के दौरान अपने प्रस्ताव उपायुक्त के माध्यम से हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी, राज्यपाल, विधानसभा अध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष को भेजा गया।

हरियाणा सरकार की नीतियों पर चर्चा की गई और गलत नीतियों की जमकर आलोचना की व नारेबाजी की। हरियाणा का अलग से वेतन आयोग गठित करवाने, अंतरिम राहत पांच हजार जारी करवाने, वेतन विसंगतियां दूर करवाने, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करवाने, रेगुलाईजेशन पॉलिसी बनवाने, पुरानी पेंशन बहाल करवाने, खाली पड़े लाखों पदों को स्थायी भर्ती से भरने, सार्वजनिक क्षेत्र के विभाग को प्राइवेट कम्पनियों को ना बेचने आदि अन्य मांगों के प्रस्ताव पास किए गए। मुख्य वक्ता के तौर पर बिजली के राज्य प्रधान सुरेश राठी ने कहा कि हरियाणा की बीजेपी सरकार पिछले 10 साल में कर्मचारियों की मांगों को समाधान करने में नाकाम रही है और कर्मचारी मुद्दों पर बैठ कर वार्ता भी नही करना चाहती है।

ये रहे मौजूद

हरियाणा सरकार ने कर्मचारियों के स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए आयुष्मान कार्ड, चिरायु कार्ड बनाए लेकिन अब इन कार्ड से कर्मचारियों को प्राइवेट अस्पताल उपचार भी नही कर रहे हैं। केंद्रीय वेतन आयोग की तर्ज पर हाउस रेंट आदि भत्ते भी सरकार नहीं बढ़ा रही है। इस मौके पर विक्रम संधू, सन्नी पटवारी, मंगतरा, मनदीप, राजेश पूनिया, सुशील ईक्कस, महेंद्र फौजी, विजेंदर शर्मा, संदीप, संदीप गिल, ढलेल राणा आदि ने विचार व्यक्त किए।

रजबाहा रोड पर स्ट्रीट लाइटों के ठीक करने का काम हुआ प्रारंभ

- काफी महीनों से कई लाइटें खराब होने से रोड पर रहता था अंधेरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

रजबाहा रोड पर पीडब्ल्यूडी द्वारा लगवाई गई स्ट्रीट लाइटों में काफी जगहों पर लाइटों के खराब होने के चलते रात को रोड पर अंधेरा रहता था। काफी समय से सुबह, शाम रजबाहा रोड पर सैर करने वाले लोगों के साथ-साथ राहगीरों, दुकानदारों द्वारा लाइटों को ठीक करने की मांग की जा रही थी। पीडब्ल्यूडी द्वारा लाइटों को ठीक करने का काम शुरू कर दिया है। अलग-अलग पोल पर लगाई गई लाइटों में से करीब 30 लाइटों को बदला गया है। जहां-जहां लाइटें नहीं जल रही थी वहां भी जो कमी थी उसको दूर किया गया है। लाइटों को ठीक करने के बाद पीडब्ल्यूडी नगर पालिका उचाना को लाइटों के रखरखाव को लेकर हैंड ओवर कर देगी।काफी जगहों से लाइटें थी बंद कुलबीर, मोनू, राजबीर, सुनील ने कहा कि कई महीनों से काफी लाइटें बंद थी। रजबाहा रोड पर रेलवे प्लेटफार्म चौक से लेकर नेशनल हाइवे तक लाइटें लगाई गई है। काफी लाइटें काफी समय से बंद होने के चलते शाम होते ही रोड पर अंधेरा छा जाता है।

करीब 30 लाइटें बदली

पीडब्ल्यूडी इलेक्ट्रोनिक्स सुनील ने बताया कि लाइटों को ठीक किया जा रहा है। करीब 30 लाइटें बदली है। लाइटों को ठीक करने के बाद नपा को हैंडओवर किया जाएगा। लाइटों का रखरखाव हैंडओवर करने के बाद नगर पालिका करेंगी।

यदुवंशी शिक्षा निकेतन में ज्ञान यात्रा का शुभारंभ

- बीबीपुर में विद्या आरंभ हवन समारोह का भव्य आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

यदुवंशी शिक्षा निकेतन बीबीपुर में विद्या आरंभ हवन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। पावन अवसर पर विद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों ने मिलकर वेद मंत्रों के बीच हवन किया। जिससे नए शैक्षणिक सत्र की शुभ शुरुआत हुई। विद्यालय के माननीय चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने अपने प्रेरणादायक शब्दों में कहा। शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नही बल्कि जीवन को सही दिशा देने का साधन है। हवन के माध्यम से हम विद्यार्थियों को यह संदेश देना चाहते हैं कि शिक्षा की यात्रा श्रद्धा, अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा से प्रारंभ होनी चाहिए। हमारी संस्था का उद्देश्य विद्यार्थियों को न केवल शैक्षणिक रूप से बल्कि नैतिक और आध्यात्मिक रूप से भी सशक्त बनाना है। इस पावन हवन के दौरान छात्रों ने विद्या की देवी सरस्वती से आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए प्रार्थना की। प्राचार्य जतिन ने इस अवसर पर कहा कि हमारा प्रयास है कि हर विद्यार्थी न केवल पुस्तकीय ज्ञान प्राप्त करे बल्कि संस्कार, अनुशासन और आत्मनिर्भरता के साथ जीवन में आगे बढ़े। यह हवन केवल एक परंपरा नही बल्कि शिक्षा के प्रति हमारे समर्पण और विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की शुभकामना का प्रतीक है।

जींद। यज्ञ में आहूति डालते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

मंत्रों की गूंज

कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षकगण अभिभावक और विद्यार्थी उपस्थित रहे। पूरे वातावरण में मंत्रों की गूंज और हवन कुंड से उठती पवित्र अग्नि ने सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया। शुभारंभ के साथ ही विद्यालय ने नए शैक्षणिक सत्र की ओर एक सशक्त कदम बढ़ाया। जिसमें विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक नवाचार अपनाए जाएंगे। यदुवंशी शिक्षा निकेतन का ये आयोजन आदर्श की स्थापना करता है कि शिक्षा केवल पाठ्यक्रमों तक सीमित नही बल्कि संस्कारों और मूल्यों की भी सीख है।

कैथल। तहसीलदार को ज्ञापन सौपते कर्मचारी। *फोटो :हरिभूमि*

लंबित मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

कैथल। प्रदेश में अलग से 8वें वेतन आयोग का गठन करने, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, पुरानी पेंशन बहाल करने, वेतन विसंगतियां दूर करने, बढ़ती हुई महंगाई की एवज में सभी कर्मचारियों को 5000 रु मासिक अंतरिम राहत देने व कर्मचारियों की अन्य लंबित मांगों को लेकर सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर हरियाणा का बजट विधानसभा में पेश होने पर जिला मुख्यालय पर सामांतर कर्मचारी जन असेंबली आयोजित की गई और सदन में प्रस्ताव पारित करते लंबित मांगों का ज्ञापन तहसीदार के माध्यम से मुख्यमंत्री महोदय हरियाणा सरकार के नाम भेजा गया। इसकी अध्यक्षता जिला प्रधान शिवचरण ने व संचालन जिला सचिव मास्टर रामपाल शर्मा ने किया। रामकुमार शर्मा, छज्जू राम, विजय शर्मा,जयप्रकाश टीक, स्वराज सिंह, दलबीर आदि मौजूद थे।

चीफ वार्डन को सौंपा मांगपत्र

- लड़कों को हॉस्टल में प्रवेश देने के बावजूद लड़कियों को प्रवेश से वंचित रखने पर जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

चौधरी रणबीर सिंह विवि में किसान एकता संगठन ने चीफ वार्डन डा. जसवीर सूरा को ज्ञापन सौंपा। संगठन सदस्यों ने बताया कि लड़कों को हॉस्टल में प्रवेश देने के बावजूद लड़कियों को गर्ल्स हॉस्टल में प्रवेश से वंचित रखना एक गंभीर भेदभावपूर्ण कृत्य है।

विवि प्रशासन द्वारा लड़कों को तो हॉस्टल में प्रवेश दे दिया गया लेकिन लड़कियों को प्रवेश नहीं देने से उनकी योग कक्षा भी बाधित हो गई। किसान छात्र एकता संगठन अन्यायपूर्ण भेदभाव का कड़ा विरोध करता है। जिसके लिए संगठन ने चीफ वार्डन को डा. जसवीर सूरा को ज्ञापन सौंपा। संगठन के नेतृत्व में छात्राओं ने प्रशासन से मांग की कि उनको हॉस्टल में प्रवेश नही दिया गया। जिस कारण उनके कक्षा भी बाधित हुई है। उप प्रधान अभिषेक जुलाना ने कहा कि लड़कियों को शिक्षा के समान अवसर देना संविधानिक अधिकार है और हम इसे लेकर कोई समझौता नही करेंगे। अगर विवि प्रशासन ने जल्द ही इस भेदभाव को समाप्त नही कियाए तो संगठन उग्र आंदोलन करने पर विवश होगा।

जींद। चीफ वार्डन को ज्ञापन सौंपते संगठन सदस्य। *फोटो :हरिभूमि*

राजौंद। कार्यक्रम में भाग लेते हुए उपभोक्ता। *फोटो :हरिभूमि*

जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

राजौंद। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग राजौंद के निरीक्षक द्वारा विश्व उपभोक्ता अधिकार संरक्षण दिवस के पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी। इस दौरान उपभोक्ता के अधिकार सुरक्षीत और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद प्राप्त करने का अधिकार,उचित मूल्य पर वस्तु व सेवाएं पाने का अधिकार,धोखाधड़ी व मिलावट से बचाव का अधिकार, उपभोक्ता अदालतों में शिकायत दर्ज करने का अधिकार। खाद्य आपूर्ति निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि सतर्क उपभोक्ता कैसे बनना है। राममेहर, विनोद कुमार, कुलदीप मलीक निरीक्षक मौजूद रहे।

निरीक्षण | एसपी ने किया जनरल परेड का निरीक्षण

आमजन से मैत्रीपूर्ण व्यवहार करें पुलिस कर्मचारी व अधिकारीः एसपी राजेश कालिया

पुलिस को अपराध व अपराधियों पर शिकंजा कसने के सख्त निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

सोमवार को जिला पुलिस लाइन कैथल में जनरल परेड का आयोजन किया गया। इसमें एसपी राजेश कालिया ने परेड का निरीक्षण कर अधिकारियों व कर्मचारियों को अपराध व अपराधियों पर शिकंजा कसने के आदेश दिये। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि जनरल परेड दौरान डीएसपी बीर भान, डीएसपी सुशील प्रकाश, डीएसपी ललित कुमार, डीएसपी कुलदीप बेनीवाल, डीएसपी गुरविंद्र सिंह, सभी चौकी प्रभारी व थाना प्रबंधक, एसपी ऑफिस में तैनात अन्य पुलिस कर्मचारी व अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान एसपी राजेश कालिया ने कहा कि हमें बेहतर पुलिसिंग के लिए कार्य करना है। अपराध की रोकथाम तथा अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए अपने अपने क्षेत्र में निरंतर गश्त करें। निरंतर रूप से संदिग्ध वाहनो व संदिग्ध व्यक्तियों की जांच करें। आमजन से मैत्रीपूर्ण व्यवहार करें और अपराध और अपराधियों से सख्ती से निपटें। एसपी ने पुलिस कर्मचारियों की विभागीय समस्याओं को भी सुनकर उनका समाधान किया गया।

कैथल। एसपी राजेश कालिया परेड का निरीक्षण करते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

ज्यादा से ज्यादा गश्त और पेट्रोलिंग करने के आदेश

इस दौरान पुलिस लाइन में एसपी राजेश कालिया ने राइडर्स बाइक व डायल 112 गाड़ियों का भी निरीक्षण किया गया। सभी कर्मचारियों को बाइक व ईआरवी गाड़ियों व उपकरणों के दुरुस्त रखरखाव बारे उचित दिशा निर्देश दिए गए। एसपी ने कर्मचारियों को निर्देश दिए कि अपने इलाकों में ज्यादा से ज्यादा गश्त व पेट्रोलिंग करें, ताकि असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जा सके। जिससे समाज के लिए भयमुक्त माहौल पैदा हो। उन्होंने राइडर्स व डायल 112 पर तैनात कर्मचारियों से उनके एरिया के बारे में पूछा तथा उन्हें संबोधित करते बताया कि उन्हें अपने एरिया में पढ़ने वाले एटीएम, बैंक, स्कूल, कॉलेज तथा सरकारी बिल्डिंग के बारे में जानकारी होनी चाहिए।

कैथल। राष्ट्रीय अंतर महाविद्यालय उत्सव- इकोनोवर्स-2025 में भाग लेकर लौटे विद्यार्थी।

आरकेएसडी कॉलेज ने तृतीय स्थान पाया

कैथल। आरकेएसडी ने 'क्विज-ई-बिज' व 'मीम-ओ-नॉमिक्स' में तीसरा स्थान प्राप्त किया राष्ट्रीय अंतर महाविद्यालय उत्सव 'इकोनोवर्स 2025' एमसीएम डीएवी कॉलेज, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित आरकेएसडी कॉलेज, कैथल के छह छात्रों ने एमसीएम डीएवी चंडीगढ़ के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय अंतर महाविद्यालय उत्सव- इकोनोवर्स-2025 में भाग लिया। विशाल और मन्न ने बीकॉम अंतिम वर्ष में 'क्विज-ई-बिज' में भाग लिया और तीसरा स्थान प्राप्त किया। स्नेहा और शीना ने बीकॉम अंतिम वर्ष में 'मीम-ओ-नॉमिक्स' में भाग लिया। नौकरी बाजार में कौशल अंतर पर मीम प्रस्तुत किया और तीसरा स्थान प्राप्त किया। अनीश ने बीए अंतिम वर्ष और पूजा ने एमकॉम पिछले वर्ष में 'इको एक्सप्रेस' में भाग लिया, उन्हें भागीदारी प्रमाण पत्र मिला। अर्थशास्त्र विभाग के प्रमुख डॉ. सूरज वालिया और अन्य संकाय सदस्य डॉ. रितु कंग वालिया और नीलम ने भी छात्रों को बधाई दी।

खबर संक्षेप

23 मार्च को मनाया जाएगा शहीदी दिवस

कैथल। शहीदों की चिताओं पर लगने वाले मेले की कड़ी में 23 मार्च 2025 को उन देश के जांबाज जिन्होंने 23 मार्च 1931 को अपनी मातृभूमि की आजादी के लिए हंसते-हंसते फांसी पर चढ़े थे। उनके शहीदी दिवस पर पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन कैथल के सौजन्य से हरियाणा शहीद स्मारक पार्क रोड कैथल पर शहीद ए आजम भगत सिंह, सुखदेव थापर और शिव कुमार राजगुरु की याद में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा। वेल्फेयर एसोसिएशन के जिला प्रधान जगजीत फौजी ने बताया कि इसमें कैथल के सभी पूर्व सैनिकों, शहीद परिवारों, सैनिकों की विधवाएं,समाज सेवी संस्थाओं एवं सभी गणमान्य व्यक्ति को हरियाणा शहीद स्मारक पर आमंत्रित किया गया है।

युवती के अपहरण का आरोप, मुकदमा दर्ज

कैथल। थाना शहर पुलिस कैथल द्वारा एक युवती का अपहरण करने के आरोप में दर्ज किया है(इस बंद में कैथल की एक कॉलोनी के व्यक्ति ने शहर पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि जसवंत उर्फ जस्सी अपने अन्य दोस्तों के साथ मिलकर 10 मार्च को कैथल शहर से उसकी 22 वर्षीय बेटी का अपहरण कर ले गया(उन्होंने उसके आसपास काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला(सब इंस्पेक्टर सत्यवान सिंह ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हॉकी अवासीय अकादमी के ट्रायल 28 मार्च को

कैथल। जिला खेल अधिकारी राज रानी ने बताया कि हॉकी स्टेडियम हाबड़ी में 25 हॉकी खिलाड़ियों की अवासीय खेल अकादमी संचालित है, जिसमें कुछ स्थान रिक्त हो गए हैं। नए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए पुनः ट्रायल 28 मार्च को सुबह 10 बजे से लिए जाएंगे। इस अकादमी के लिए हॉकी खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हॉकी अवासीय अकादमी की योग्यता के अंतर्गत खिलाड़ियों की आयु सीमा 12 से 23 वर्ष तक अनिवार्य है। उक्त ट्रायल में खिलाड़ियों का चयन फिटनेस व गेम टैस्ट के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए इच्छुक खिलाड़ी को अपने आधार कार्ड, जन्म प्रमाण-पत्र, दसवीं की मार्कसीट की मूल प्रति व फोटोप्रति, दो रंगीन पासपोर्ट साईज फोटो तथा अपने-2 शिक्षण संस्थान से सबंधित सत्यापित दस्तावेज की प्रति लाना अनिवार्य है।

बिना अनुमति के बनाए जा रहे भवन किया सील

कैथल। शहर के पुराना बस स्टैंड स्थित एसबीआई रोड पर बिना अनुमति के चार मंजिला इमारत बनाने पर नप ने बड़ी कार्रवाई की है। इस कार्रवाई के तहत परिषद की टीम ने प्रतिष्ठान का सील कर दिया। प्रतिष्ठान के मालिक को गत नवंबर से ही अनुमति लेने के लिए नोटिस दिया गया था। मालिक ने चार मंजिला इमारत डालने का केवल काम शुरू किया था, लेकिन मालिक नहीं माना और उसने बिना अनुमति के ही निर्माण कार्य जारी रखा। इसके बाद नप ने नियमों के तहत कार्रवाई की। ईओ दीपक कुमार ने बताया कि बिना अनुमति के चार मंजिला इमारत बनाने पर यह कार्रवाई की है। चार माह में 11 बार नोटिस दिया गया, लेकिन नहीं मानने पर निर्माण को गिरने की कार्रवाई की गई। अब नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

प्लाट में उगा रखी थी अफीम, आरोपित काबू

जींद। सदर पुलिस नरवाना ने गांव ढाबी टेकसिंह में छापेमारी कर प्लाट में अफीम की खेती करते एक व्यक्ति को काबू किया है। प्लाट में लगभग 200 पौधे अफीम के लगाए गए थे। जिनका वजन चार किलो 110 ग्राम पाया गया है। पुलिस ने सूचना पर गांव ढाबी टेकसिंह निवासी सतीश के प्लाट पर दस्तक दी तो वहां पर 200 पौधे अफीम के लगे हुए मिले। जिन पर डोडा लगे हुए थे। जिस पर छापामार पुलिस टीम ने अफीम के पौधों को उखाड़ कर अपने कब्जे में ले लिया। जिनका वजन 4 किलो 110 ग्राम पाया गया। जब प्लाट के मालिक सतीश से अफीम की खेती करने से संबंधित दस्तावेज मांगे गए तो वह दिखने में नाकाम रहा।

पार्टी नेता और कार्यकर्ताओं ने नियुक्ति पर दी बधाई

बांगर में भाजपा की पहली महिला जिलाध्यक्ष बनी ज्योति सैनी, स्वागत

■ जिला प्रभारी अमरपाल राणा ने की जिलाध्यक्ष की नियुक्ति की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं को सोमवार को भाजपा का नया जिलाध्यक्ष मिला। इस दौरान पार्टी हाईकमान की ओर से उत्तर हरियाणा बिजली निगम की निदेशक ज्योति सैनी को जिला अध्यक्ष बनाया गया। ज्योति सैनी पार्टी की पहली महिला हैं, जिन्हें कैथल का अध्यक्ष बनाया गया है। जिला प्रभारी अमरपाल राणा कपिल कमल कार्यालय में ज्योति सैनी को पार्टी का नया अध्यक्ष बनाने की घोषणा की।

ज्योति सैनी

ज्योति सैनी पूर्व में पार्टी की महिला मोर्चा की अध्यक्ष रह चुकी हैं। रविवार को 43 उम्मीदवारों ने जिलाध्यक्ष के लिए आवेदन पत्र जमा करवाया था, लेकिन बाद में सभी ने एक साथ अपने नामांकन पत्र वापस ले लिए। इस दौरान पार्टी का जिलाध्यक्ष के दावेदारों ने पार्टी हाईकमान पर यह फैसला छोड़ा था। इसके बाद पद के लिए फैसला पार्टी हाईकमान की ओर से किया गया है। जिला प्रभारी अमरपाल राणा और जिला चुनाव अधिकारी रवि बतान ने बताया कि जिला अध्यक्ष का चयन समझौते और संगठनात्मक संतुलन के आधार पर किया गया। सभी 43 उम्मीदवारों ने सामूहिक रूप से अपने नामांकन वापस लेने का निर्णय लिया। इस घटनाक्रम ने जिला अध्यक्ष पद के चुनाव को और दिलचस्प बना दिया है, क्योंकि अब पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व द्वारा नामित उम्मीदवार को ही यह पद सौंपा गया। अब नए जिला अध्यक्ष का चयन पार्टी हाईकमान की ओर से किया गया है और इसकी आधिकारिक घोषणा करीब 11 बजे की गई। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन में लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन किया जाता है, लेकिन कुछ महत्वपूर्ण पदों पर चयन संगठनात्मक संतुलन और पार्टी की रणनीति को ध्यान में रखकर किया जाता है। सभी उम्मीदवारों ने नामांकन वापस लिया और अब प्रदेश नेतृत्व का फैसला सबने स्वीकार किया है।

ढोल की थाप पर थिरके कार्यकर्ता

जैसे ही ज्योति सैनी के जिलाध्यक्ष बनाए जाने की घोषणा हुई तो कपिल कमल कार्यालय में कार्यकर्ता ढोल की थाप पर थिरकते नजर आए। उन्होंने गुलाल भी उड़ाया। इसके साथ ही ज्योति सैनी का जोरदार स्वागत किया गया। हैफेड के चेयरमैन कैलाश भगत, पूर्व जिलाध्यक्ष मुनीष कठवाड़, प्रवीन प्रजापति आदि ने ज्योति सैनी को बधाई दी।

ज्योति सैनी की प्रोफाइल

नाम- ज्योति सैनी
2014 से भाजपा की सक्रिय सदस्य हैं।
वर्ष 2017 से लेकर 2022 तक वार्ड नंबर 22 से पार्षद रह चुकी हैं। ऑल इंडिया सैनी समाज संगठन की कोषाध्यक्ष भी रह चुकी हैं। इस समय उत्तर हरियाणा बिजली निगम की निदेशक हैं।

जींद । भाजपा जिलाध्यक्ष तिजेंद्र ढुल को बधाई देते हुए जसमेर रजाना।

तिजेंद्र ढुल फिर बने भाजपा के जिला अध्यक्ष

जींद। जिले की पांच विधानसभा सीटों में से चार विधानसभा सीटों पर तिजेंद्र ढूल के नेतृत्व में खिला कमल एकमात्र निकाय चुनाव में भी भाजपा ने मारी बाजी

प्रदेश भाजपा ने फिर से जिलाध्यक्ष पद के लिए एडवोकेट तिजेंद्र ढुल पर विश्वास जताया है। जिसके चलते एडवोकेट तेजेंद्र ढूल को फिर से जिला भाजपा की कमान सौंपी गाई है। खास बात यह रही कि थोड़े से समय में तिजेंद्र ढूल के नाम कई बड़ी उपलब्धियां हैं। जिसमें संगठन स्तर या फिर राजनीतिक स्तर पर मुख्य रूप से शामिल हैं। उनके कार्यकाल में भाजपा ने जींद जिले की पांच में से चार विधानसभा सीट जीती। जुलाना नगर पालिका चुनाव में भाजपा का ही चेयरमैन बना है। विधानसभा और नगर पालिका चुनाव में बेहतर प्रदर्शन का पार्टी ने उन्हें इनाम दिया है। भाजपा जिला महामंत्री डा. राज सैनी, नरेंद्र पहल, पुष्पा तायल, भारत भूषण टांक, सज्जन गर्ग, जसमेर रजाना समेत 21 नेताओं ने आवेदन किया था। पार्टी सोमवार को घोषित जिला अध्यक्षों की सूची में तिजेंद्र ढूल को पुनः अध्यक्ष मनोनीत कर उनमें अपना विश्वास व्यक्त किया है। तिजेंद्र ढूल को बीते साल लोकसभा चुनाव के बाद राजू मोर की जगह जिलाध्यक्ष बनाया गया था। इसके बाद हुए विधानसभा चुनाव में पार्टी ने जींद जिले में एक नया रिकार्ड स्थापित किया और यहां पांच विधानसभा सीटों में से चार पर जीत दर्ज की। यह पहला मौका था जब पार्टी ने जींद जिले में इस प्रकार से कमल का फूल खिलाया है। इससे पहले पार्टी जींद में 2019 के उपचुनाव और 2019 के आम चुनाव में जीत दर्ज कर पाई थी और उचाना में 2014 के विस चुनाव में कमल खिलाने का काम किया था। तिजेंद्र ढूल के नेतृत्व में पार्टी ने सफीदों और नरवाना में पहली बार कमल खिलाया है। जुलाना में कड़े मुकाबले में पार्टी को हार का सामना करना पड़ा था लेकिन हाल ही में हुए निकाय चुनाव में पार्टी ने जुलाना में भी कमल खिलाया है। इसके पीछे तिजेंद्र ढूल की रणनीति व उनकी मेहनत को श्रेय दिया जाता है।

20 को होगा नई अनाज मंडी आढ़ती एसोसिएशन का चुनाव

■ जखोली धर्मशाला में हुई आढ़तियों की बैठक, नहीं बनी सहमति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

चौकीदारा का गूंजा मुद्दा अगले वित वर्ष 2025-26 के नई अनाज मंडी के प्रधान बनाने के लिए सोमवार को जाखोली अड्डा स्थित अग्रसेन धर्मशाला में आढ़तियों की एक बैठक का आयोजन किया गया। इसमें अगले वित वर्ष 2025- 26 के लिए प्रधान पद के लिए विचार विमर्श हुआ और चुनाव 20 मार्च वीरवार को करवाने पर सहमती बनी। बैठक में सर्व प्रथम पूर्व प्रधान राम कुमार ने बैठक को सम्बोधित करते हुये आढ़तियों को अपने द्वारा किये गये मंडी हित के फैसल बताये और उसके बाद प्रधान पद से इस्तीफी दिया। राजेंद्र खुराना को कार्यकारी प्रधान नियुक्त किया। पवन कोटड़ा ने कहा कि मुनीश मित्तल मार्केट के आढ़ती लगातार चौकीदारा देते हुए आ रहे है, परन्तु इसके बावजूद उनकी मार्किट में चौकीदार नही दिये जाते। यदि अब की बार उनकी मार्किट में चौकीदार नही दिये गये तो वे आगे चौकीदारा नही देंगे, बेशक से उनके वोट काट दिये जाएं। आढ़ती श्रीचंद ने सर्व सम्मती के लिये पूर्व प्रधान कृष्ण मितल के नाम का प्रस्ताव रखा तो कुछ आढ़तियों ने स्वागत किया तो कुछ ने विरोध। जिस पर कार्यकारी प्रधान राजेंद्र खुराना ने चुनाव करवाने की घोषणा कर दी।

कैथल। आढ़ती एसोसिएशन की बैठक को संबोधित करते पदाधिकारी

7 दिवसीय एनएसएस कैंप का हुआ समापन

नरवाना। सनातन धर्म महिला महाविद्यालय नरवाना में आज सीआरएसयू जीन्द के यूनिवर्सिटी लेवल के एनएसएस कैंप का आगाज हुआ। सात रात दिवसीय कैंप के पहले दिन का शुभारंभ हवन से हुआ। कैंप के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र तथा चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद के कुलपति महोदय प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने शिरकत की। कॉलेज में लगे हुए कैंप में विभिन्न 19 महाविद्यालयों से एनएसएस के प्रोग्राम ऑफिसर तथा जींद विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों से 200 छात्र व छात्राओं ने इस कैंप में भाग लिया। जींद विश्वविद्यालय के एन एस एस कोऑर्डिनेटर डॉ जितेंद्र कुमारए कॉलेज प्राचार्या डॉ अंजना लोहान तथा टीचिंग व नॉन टीचिंग स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।

जलपान पर पहुंची चेयरपर्सन

कस्बे का विकास ही रहेगा हमारी पहली प्राथमिकता : हेमलता सैनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सीवन

सीवन नगर पालिका की नवनिर्वाचित चेयरपर्सन हेमलता सैनी के कार्यालय में जलपान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें नवनिर्वाचित पार्षदों ने भाग लिया। इस अवसर पर संजय कंसल, सुखदेव कश्यप, मौसम सैनी, मखन आर्य, सोनू कुमार, सतनाम कौर, धर्मेंद्र शर्मा, ज्योति सैनी, डोली सैनी, विकास शर्मा, रामदास आर्य, जितेन्द्र शर्मा, रेणुबाला सहित अन्य पार्षद उपस्थित रहे।

समारोह में चेयरपर्सन हेमलता सैनी ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव की प्रक्रिया अब पूरी हो चुकी है और अब सभी पार्षदों का एकमात्र लक्ष्य नगर का चहुंमुखी विकास होगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि बिना किसी भेदभाव के सभी वार्डों में समान रूप से विकास कार्य करवाए जाएंगे। नगर को एक आदर्श शहर के रूप में विकसित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की और कहा कि सभी को एकजुट होकर शहर के उत्थान के लिए कार्य करना होगा। उन्होंने जोर दिया कि सीवन में भाईचारे की मिसाल कायम रखते हुए, नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जाएगी। सड़क, सफाई, जल आपूर्ति, स्ट्रीट लाइट जैसी बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ किया जाएगा। पार्षदों ने भी एकजुट होकर नगर के हित में कार्य करने की बात कही। इस दौरान, शहर के विभिन्न विकास योजनाओं पर भी चर्चा हुई। समारोह में नगर के गणमान्य व्यक्तियों ने भी शिरकत की और चेयरपर्सन को नई जिम्मेदारी संभालने पर शुभकामनाएं दीं।

कैथल। चेयरपर्सन हेमलता सैनी के कार्यालय में पार्षद विजय चिन्ह के साथ

विभाग के नाम हुई जमीन

सेरधा के कालेज पर लगा सरकारी कालेज का बोर्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

गांव सेरधा के अमरनाथ भगत जयराम राजकीय कन्या कॉलेज को सरकारी दर्जा मिलने के बाद पहली बार कॉलेज का सरकारी नाम लिखा गया। जयराम विद्यापीठ कुरुक्षेत्र द्वारा शिक्षा विभाग के नाम 24 एकड़ 17 मरले जमीन की रजिस्ट्री हाई एजुकेशन पंचकूला के नाम रजिस्ट्री करने के बाद अब कॉलेज पूर्ण रूप से सरकारी कॉलेज हो गया है। कॉलेज का नाम अमरनाथ भगत जयराम राजकीय कन्या महाविद्यालय सेरधा रखा गया है। इस पर ग्रामीणों ने खुशी जाहिर की इस मौके पर वीरेंद्र ढुल भूरी, सूरज भान,पूर्व सरपंच फूल सिंह,सुबे सिंह,नसीब सिंह, देवेंद्र सिंह ढुल,रधमी ढुल मौजूद रहे।

नवनियुक्त प्रधान ने जताया आभार

तरसेम बंसल सर्वसम्मति से चुने गए अग्रवाल धर्मशाला के प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

पतराम नगर स्थित अग्रवाल धर्मशाला की आम बैठक में नए प्रधान का चुनाव हुआ। चुनाव अधिकारी शिक्षाविद् सुरेश मित्तल व संजय चौधरी की देखरेख में प्रक्रिया पूरी की गई। समाज सेवी रमेश गर्ग ने तरसेम बंसल के नाम का प्रस्ताव किया जिसका अनुमोदन भारत भूषण गर्गए अचल मित्तल व तरसेम ने किया। उपस्थित सदस्यों ने ध्वनिमत से प्रस्ताव पारित कर तरसेम बंसल को नया अध्यक्ष चुन लिया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने कहा कि अग्रवाल समुदाय ने उन्हें जो उत्तरदायित्व सौंपा हैए वह उसे पूरा करने में जी जान लगा देंगे। वह अग्रवाल धर्मशाला के प्रधान की बजाय एक सेवक के रूप में कार्य करेंगे और महाराजा अग्रसेन जी के बताये रास्ते पर चलकर सभी के सहयोग से कार्य करेंगे।

तरसेम बंसल को बधाई देते हुए।

हरियाणा राज्य स्तरीय फास्ट फाइव नेटबॉल चैम्पियनशिप टीम का ट्रायल 21 को कैथल में

अशोक सहारण एडवोकेट

कैथल। नेटबॉल एसोसिएशन जिला कैथल के प्रधान अशोक सहारण एडवोकेट ने बताया कि प्रथम सब-जूनियर मिक्सड नेटबॉल चैम्पियनशिप व तृतीय सब जूनियर हरियाणा राज्य स्तरीय फास्ट फाइव नेटबॉल चैम्पियनशिप (लड़के व लड़कियां) व 3वीं सिनियर हरियाणा राज्य स्तरीय फास्ट फाइव नेटबाल चैम्पियनशिप (पुरुष व महिला) जो 21 से 23 मार्च-2025 तक श्री बालाजी सीनियर सेकेंडरी स्कूल कलिंगा भिवानी में आयोजित होने जा रहे हैं। इन चैम्पियनशिप में जिला कैथल की नेटबाल टीम सभी वर्गों में भाग लेंगी। इन चैम्पियनशिप के लिए ट्रायल 19 मार्च- 2025 को सायं 4 बजे से आर.के.एस.डी स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स कैथल में होगी। जिस खिलाड़ी का चयन होगा वह खिलाड़ी जिला कैथल टीम कैंप का हिस्सा होगा। इस ट्रायल में वही खिलाड़ी भाग लेगा तृतीय सब जूनियर फास्ट फाइव नेटबॉल के लिए 29 मार्च -2009 व प्रथम सब-जूनियर मिक्सड नेटबॉल के लिए 31मार्च -2009 बाद का जन्म हो और 2024-25 नेटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया का रजिस्ट्रेशन नंबर अनिवार्य है। खिलाड़ी अपना जन्म प्रमाण-पत्र व आधार कार्ड साथ लेकर आए। यह ट्रायल सिलेक्शन कमेटी की देखरेख में किया जाएगा।

एक अप्रैल से शुरू होगी गेहूं की सरकारी खरीदः डीसी

■ जिला की सभी मंडियों में उपलब्ध हों आवश्यक मूलभूत सुविधाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

डीसी प्रीति ने कहा कि आगामी एक अप्रैल से गेहूं की खरीद शुरू होगी। इसको लेकर सभी मंडियों में पूरी तैयारियां रखें। खरीद सीजन के दौरान किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं आनी चाहिए। जिला की सभी मंडियों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए। गेहूं उठान का कार्य तय समय सीमा में किया जाए। खरीद कार्य में कोताही बरतने पर संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

डीसी प्रीति सोमवार को लघु सचिवालय में रबी सीजन के प्रबंधों की समीक्षा बैठक के दौरान संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे थी। उन्होंने कहा कि गेहूं की फसल को निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा जाएगा, जोकि 2425 रुपये है। एसडीएम अपने-अपने क्षेत्रों में मंडियों व खरीद केंद्रों का दौरा करें और समय रहते व्यवस्थाओं को पूरा करवाएं। आढ़तियों के साथ बैठक करेंगे।

डीसी प्रीति अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए

सड़क दुर्घटना में घायल को मिलेगा सात लाख तक का मुफ्त कैशलेस इलाज

डीएसपी सुशील प्रकाश व डी.आर.एम. कुणाल द्वारा कैशलेस स्कीम व ईडार करते हुए

कैथल। कैथल के सरकारी व सभी प्राइवेट अस्पताल के डॉक्टरों को योजना के बारे दी गई जानकारी पुलिस महानिदेशक हरियाणा शत्रुजीत कपूर द्वारा कैशलेस स्कीम से सम्बंधित की गई वीडियो कॉन्फ्रेंस में कैशलेस स्कीम बारे वाहन दुर्घटना होने पर पीड़ति व्यक्ति को 1,50,000 रुपये तक की राशि का मुफ्त इलाज किए जाने बारे बताया गया था। उक्त योजना बारे एसपी राजेश कालिया के आदेशानुसार सोमवार को पुलिस लाईन में डीएसपी सुशील प्रकाश की अध्यक्षता में कैथल के सरकारी व सभी प्राइवेट अस्पताल के डॉक्टरों के मीटिंग का आयोजन किया गया। इसमें डीएसपी सुशील डीएसपी सुशील प्रकाश चिकित्सकों की बैठक को संबोधित एप्प को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए आवश्यक बातें बताई गई। बता दें केंद्र सरकार की ओर से सड़क दुर्घटना में होने वाली मौतों में कमी के उद्देश्य से घायलों को कैशलेस इलाज की कानूनी अनिवार्यता दी है। पुलिस कर्मियों को भी पोर्टल के बारे में बताया जा रहा है, जिससे उन्हें अस्पताल की ओर से मांगी जाने वाली जानकारियों का पता लग सके।

कार्यक्रम प्रशासनिक अव्यवस्थाओं का आलम, कब टूटेगी अधिकारियों की नींद

पूंडरी का पार्क बना शोपीस, देखरेख के अभाव में बर्बादी की कगार पर पहुंचा 10 लाख का पार्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

पूंडरी किसान भवन के सामने अनाज मंडी के पास मार्केटिंग बोर्ड द्वारा लगभग 10 लाख रुपए की लागत से बनाए गए पार्क की स्थिति दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। यह पार्क जो स्थानीय लोगों के लिए स्वच्छ वातावरण और मनोरंजन का केंद्र बन सकता था, अब लापरवाही और प्रशासनिक उदासीनता के कारण केवल एक शोपीस बनकर रह गया है। गत वर्ष ही इस पार्क पर लाखों रुपये खर्च कर इसे तैयार किया गया था, लेकिन रखरखाव के अभाव में इसकी दुर्दशा देखने लायक है। हरियाली और फूलों से सजे रहने वाले इस पार्क में अब झाड़ियों और कांटेदार पौधों ने अपनी जगह बना ली है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस पार्क में कोई भी सुबह-शाम टहलने नहीं आता, बल्कि यहां विषैले जीवों का बसेरा हो चुका है, जिससे लोगों में भय का माहौल बना हुआ है।

लोगों की मांग है कि जल्द हो पुर्नविकास। स्थानीय निवासियों की प्रशासन और विधायक से मांग है कि इस पार्क को दोबारा विकसित किया जाए। इसकी साफ-सफाई करवाई जाए और यहां नई घास, पौधे और फूल लगाए जाएं।

पूंडरी। पार्क में फैली गंदगी।

जंग खा रहे झूले, रोशनी भी नहीं

आसपास के निवासियों शेखर शाह, अभय सिंह, देवीदयाल, मोहित, दीपक व सन्नी का कहना है कि पार्क में लगाए गए झूले अब जंग खा चुके हैं। बच्चों के खेलने के लिए लगाए गए उपकरण उपयोग करने लायक नहीं बचे हैं। सबसे बड़ी समस्या यह भी है कि पार्क में लाइटों की कोई उचित व्यवस्था नहीं की गई है। जिससे शाम होते ही यह इलाका अंधेरे में डूब जाता है और असामाजिक तत्वों के लिए अड्डा बनता जा रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि वे कई बार प्रशासनिक अधिकारियों और विधायक सतपाल जांबा से इस पार्क की दुर्दशा को लेकर शिकायत कर चुके हैं। उन्होंने विधायक को पार्क की हालत से संबंधित वीडियो भी भेजी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। विधायक जांबा खुद सफाई पसंद इंसान है और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए खुद झाड़ू उठाकर लोगों को प्रेरित करते है। लेकिन उनके ही क्षेत्र में स्थित इस पार्क की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा।

जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी को कृष्ण पिलनी ने दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

भारतीय जनता पार्टी की नई जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी के बनने पर भाजपा के जिला सचिव कृष्ण शर्मा पिलनी ने उन्हें बधाई दी है। उन्होंने ज्योति सैनी को उनके नए पद पर शुभकामनाएं दी और कहा कि वे पार्टी के लिए एक मजबूत नेतृत्व प्रदान करेंगी। उन्होंने कहा ज्योति सैनी का भाजपा की जिला अध्यक्ष के रूप में चयन एक अच्छा निर्णय है। वे एक अनुभवी और समर्पित नेता हैं जिन्होंने पार्टी के लिए काफी काम किया है। मुझे विश्वास है कि वे पार्टी के लिए एक मजबूत नेतृत्व प्रदान करेंगी और पार्टी को और भी मजबूत बनाएंगी। उन्होंने आगे कहा 'योति सैनी के नेतृत्व में भाजपा कैथल जिला में और भी मजबूत होगी और पार्टी के कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा मिलेगी। मैं उन्हें एक बार फिर से बधाई देता हूं और उनके नए पद पर शुभकामनाएं देता हूं। इस अवसर पर कृष्ण पिलनी ने ज्योति सैनी को फूला का गुलदस्ता भेंट किया और उनके नए पद पर सफलता की कामना की। उन्होंने कहा कि वे ज्योति सैनी के साथ मिलकर पार्टी के लिए काम करेंगे और पार्टी को और भी मजबूत बनाएंगे।